

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

संघर्ष, संगीत और उद्यमिता की प्रेरणादायक कहानी : श्री नागनाथ गोविंदराव पाटील जी का सफल जीवन सफर

Sanket Morankar

Published on 25 May 2026



जीवन में सफलता केवल बड़े संसाधनों से नहीं मिलती, बल्कि मेहनत, संघर्ष और मजबूत इरादों से हासिल होती है। ऐसे ही प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं **श्री नागनाथ गोविंदराव पाटील**, जिन्होंने महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव से निकलकर मुंबई जैसे महानगर में अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा के दम पर एक अलग पहचान बनाई।

उनका जीवन केवल एक व्यक्ति की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक पहुंचने की प्रेरणादायक यात्रा है।

श्री नागनाथ गोविंदराव पाटील का जन्म 5 मार्च 1963 को महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर तालुका स्थित **सताळा (बु.)** गांव में हुआ।

बचपन से ही उन्हें संगीत और हार्मोनियम बजाने का विशेष शौक था। गांव के साधारण माहौल में रहते हुए भी उनके मन में कुछ बड़ा करने का सपना था। वे हमेशा सोचते थे कि एक दिन अपने दम पर कुछ ऐसा करेंगे जिससे समाज में अपनी अलग पहचान बना सकें।

14 जुलाई 1982 को उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा और साहसिक निर्णय लिया — मुंबई आने का।

उस समय उनके पास न कोई बड़ा सहारा था और न ही आर्थिक मजबूती, लेकिन अपने सपनों को पूरा करने का जुनून उन्हें मुंबई तक खींच लाया।

मुंबई में शुरुआती दिन बेहद संघर्षपूर्ण रहे। उन्होंने सिलेंडर की गाड़ी पर मजदूरी की, क्लीनर के रूप में काम किया और हर छोटे-बड़े काम को पूरी ईमानदारी से किया।

1983 में उन्होंने वाहन चलाने का लाइसेंस प्राप्त किया और निजी वाहन चालक के रूप में काम शुरू किया।

उनकी मेहनत और लगन का परिणाम यह हुआ कि 7 मार्च 1987 को उन्हें मुंबई की प्रतिष्ठित BEST सेवा में चालक (ड्राइवर) के रूप में नौकरी मिल गई।

सरकारी नौकरी मिलने के बाद परिवार की जिम्मेदारियां संभालना आसान हुआ, लेकिन उनके अंदर का उद्यमी अभी भी जिंदा था।

श्री नागनाथ पाटील केवल नौकरी तक सीमित नहीं रहना चाहते थे। उनमें बचपन से ही व्यवसाय करने की इच्छा थी।

इसी सोच के साथ उन्होंने 1997 से नौकरी के साथ-साथ छोटे व्यवसाय शुरू किए। अगरबत्ती, सेंट-परफ्यूम, स्टेशनरी, दिवाली में पटाखों की बिक्री जैसे कई छोटे व्यवसायों में उन्होंने काम किया।

उस दौर में लोकप्रिय चैन बिजनेस में भी उन्होंने हिस्सा लिया। इन सभी अनुभवों ने उन्हें व्यवसाय की बारीकियां समझने में मदद की।

विभिन्न व्यवसायों के अनुभव के बाद उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस और छपाई के कार्य को प्राथमिकता दी।

इस क्षेत्र में उन्होंने अपनी मेहनत और गुणवत्ता के दम पर अच्छी पहचान बनाई। धीरे-धीरे उनका संपर्क स्कूलों और शैक्षणिक संस्थाओं से बढ़ने लगा।

28 फरवरी 2008 को उन्होंने BEST चालक पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (Voluntary Retirement) ली।

यह फैसला आसान नहीं था, क्योंकि सरकारी नौकरी छोड़कर पूर्ण रूप से व्यवसाय में उतरना जोखिम भरा था। लेकिन उन्होंने अपने आत्मविश्वास और मेहनत पर भरोसा किया।

प्रिंटिंग प्रेस के माध्यम से स्कूलों से बढ़ते संपर्क ने उन्हें एक नया अवसर दिया। इसी अनुभव के आधार पर उन्होंने **“ओमकार स्कूल बस”** नाम से स्कूल ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शुरू किया।

उन्होंने बच्चों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन सेवा उपलब्ध कराकर इस क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई।

व्यवसाय और नौकरी की व्यस्तता के बावजूद उन्होंने संगीत के प्रति अपने प्रेम को कभी खत्म नहीं होने दिया।

हार्मोनियम वादन और गायन की कला उन्होंने बचपन से संभालकर रखी थी। इसी कला को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2011 में उन्होंने **“ओमकार कला अकादमी”** की स्थापना की।

इस अकादमी के माध्यम से उन्होंने लगभग 200 से 300 विद्यार्थियों को संगीत की शिक्षा दी।

संगीत और व्यवसाय के साथ-साथ उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में भी योगदान देने का निर्णय लिया।

वर्ष 2021 में उन्होंने **ओमकार एज्युकेशन सोसायटी** के अंतर्गत **“गुरु स्कूल”** नामक इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना की।

उनका उद्देश्य था कि ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

श्री नागनाथ गोविंदराव पाटील का जीवन संघर्ष, मेहनत और सकारात्मक सोच का अद्भुत उदाहरण है।

उन्होंने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे, आर्थिक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

ईमानदारी, मेहनत और दूरदर्शी सोच के कारण उन्होंने व्यवसाय, संगीत और शिक्षा — तीनों क्षेत्रों में सफलता हासिल की।

आज श्री नागनाथ पाटील उन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं जो सीमित संसाधनों के कारण अपने सपनों को अधूरा मान लेते हैं।

उनकी कहानी यह सिखाती है कि:

“यदि इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी परिस्थिति सफलता का रास्ता नहीं रोक सकती।”

श्री नागनाथ गोविंदराव पाटील ने अपने संघर्ष को अपनी ताकत बनाया और हर चुनौती को अवसर में बदल दिया ।

मजदूरी से शुरू हुआ उनका सफर आज उद्यमिता, संगीत और शिक्षा सेवा तक पहुंच चुका है । उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, ईमानदारी और सपनों के प्रति समर्पण इंसान को किसी भी ऊंचाई तक पहुंचा सकता है ।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.